राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 02 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-306 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन के भाजपा महिला मोर्चा के वार्ड प्रमुख की संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या

34 वर्षीय दीपिका पटेल के रिश्तेदारों ने हत्या की आशंका जताई

फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम: पार्षद ने घर दौड़कर फांसी पर लटकी लाश उतारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वार्ड नंबर 30 की भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख दीपिका पटेल ने आज रविवार को रहस्यमय परिस्थितियों में फांसी लगा ली, जिससे हड़कंप मच गया और कई तरह की शंका और संदेह फैल गए। दीपिका पटेल के रिश्तेदारों ने उनकी हत्या की आशंका जताई और पुलिस ने फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम कराया।

दीपिका पटेल ने दोपहर में आत्महत्या की, इसके बाद वार्ड नंबर 30 के कॉर्पोरेटर चिराग सोलंकी के उनके घर सबसे पहले पहुंचने के CCTV फुटेज वायरल हो गए। इसके बाद कुछ लोग चिराग सोलंकी पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने पुलिस को सूचित किए बिना मृत शरीर को नीचे उतार लिया था। इसके अलावा उनके खिलाफ अन्य आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इस पर चिराग सोलंकी ने कहा कि मेरी और दीपिका के बीच भाई-बहन का संबंध था। लोग झूठे आरोप लगा रहे हैं। दीपिका के पति भी मेरे साथ थे। मैंने ही सबसे पहले पुलिस को सूचित किया था। दीपिका पटेल आज रविवार सुबह खुश थीं।

इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने मामा-मामी की सालगिरह के बारे में एक स्टोरी भी पोस्ट की थी। लेकिन दोपहर बाद अचानक उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया, इस पर कई तरह की शंका और कुशंका व्यक्त की जा रही हैं।

दीपिका पटेल के खिलाफ आरोपों के कारण उनके शव का सिविल अस्पताल में फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मृत्यु गले में फांसी लगाने से हुई थी। इसके अलावा, यह भी जांच की जा रही है कि उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ या अन्य कोई तरल पदार्थ तो नहीं पिया था। इसके लिए विभिन्न सैंपल लिए गए हैं, और रिपोर्ट आने के बाद ही हकीकत का पता चलेगा।

दीपिका पटेल के रिश्तेदारों ने उनके आत्महत्या के बजाय हत्या होने की आशंका जताई है। उन्होंने फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम की मांग की है, क्योंकि आरोप है कि पार्षद चिराग सोलंकी ने बिना पुलिस को सूचित किए घर में दौड़कर फांसी पर लटकी लाश को नीचे उतारा।

भा.ज.पा. महिला मोर्चा की प्रमुख दीपिका पटेल ने आत्महत्या कर ली, लेकिन उनके परिवारजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। उनके परिवार का कहना है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या हो सकती है, और इस मामले में पूरी तरह से जांच की आवश्यकता है।

पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट पता चलेगा।

गुजरात के सूरत से एक चौंकाने वाली आत्महत्या का मामला सामने आया है।

सूरत के अलथाण में वार्ड नंबर 30 की भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष 34 वर्षीय दीपिका पटेल ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

दीपिका पटेल के आत्महत्या करने से उनके परिवार सहित भाजपा में शोक का माहौल छा गया है।

आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा और आगे की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मृतका के परिजनों ने पूरी घटना को आत्महत्या मानने से इंकार किया है। परिवार ने इस घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताया है।

मृतका के रिश्तेदार मनीष पटेल ने कहा कि मृतका लंबे समय से भाजपा कार्यकर्ता थीं और समाज सेविका भी थीं। हमें शक है कि यह आत्महत्या नहीं,

बल्कि हत्या है। क्योंकि, जहां दीपिका ने फांसी लगाई थी, वहां कोई रस्सी या दुपट्टा नहीं था। परिवार के सदस्य उनके बच्चों के साथ घर पर थे और पति खेतों में थे। कमरे में केवल सचिन क्षेत्र के कौरपोरेटर चिराग और एक अन्य व्यक्ति आकाश मौजूद थे।

अगर किसी ने फांसी लगाई हो तो पहले पुलिस को सूचित किया जाना चाहिए था, लेकिन चिराग ने पुलिस को सूचित किए बिना दीपिका को नीचे उतार लिया। हमें संदेह है कि दीपिका का गला दबाकर हत्या की गई है, इसलिए पूरी घटना की जांच की जाए और हमें न्याय मिले।

सूरत के सचिन में भाजपा महिला मोर्चा के वार्ड प्रमुख का संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद कई सवाल उठ रहे हैं, और पुलिस जांच शुरू कर दी है।

ब्लैकमेलिंग की आशंका जताई जा रही है। कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है।

सूरत भाजपा महिला नेता की आत्महत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

भाजपा पार्षद चिराग सोलंकी ने कमरे का दरवाजा तोड़कर दीपिका को लटकी हुई हालत में नीचे उतारा और दुपट्टे को अलमारी में रख दिया।

सूरत के अलथाण के भीमराड़ गांव में रहने वाली भाजपा महिला नेता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। महिला नेता की आत्महत्या के बाद कई सवाल उठ रहे हैं, और विभिन्न आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम के बाद पुष्टि हुई है कि भाजपा महिला नेता ने आत्महत्या ही की है। पुलिस के दर्ज बयान के अनुसार, भाजपा पार्षद चिराग सोलंकी ने ही कमरे का दरवाजा खोलकर लटकी हुई दीपिका को नीचे उतारा था और बाद में दुपट्टे को अलमारी में रख दिया था।

परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दीपिका इतनी कमजोर नहीं थी कि वह आत्महत्या कर लेती। उन्होंने आशंका जताई है कि दीपिका को किसी ने ब्लैकमेल किया या आत्महत्या के लिए मजबूर किया। इसी के साथ, पुलिस भी दीपिका की कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है और इस दिशा में जांच को आगे बढ़ा रही है।

दीपिका भाजपा में लगातार सक्रिय थीं। सूरत के भीमराड़ गांव के ब्राह्मण फलिया इलाके में 34 वर्षीय दीपिका नरेशभाई पटेल अपने परिवार के साथ रहती थीं। परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। दीपिका भाजपा में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं और वर्तमान में वार्ड नंबर 30 की महिला मोर्चा प्रमुख के रूप में भाजपा से जुड़ी हुई थीं।

दीपिका के पति नरेश पटेल ने बताया कि वार्ड नंबर 30 के पार्षद चिराग सोलंकी के साथ उनके परिवारिक संबंध थे। वे पिछले दो साल से चिराग सोलंकी के संपर्क में आए थे।

चिराग सोलंकी ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया।

1 दिसंबर 2024 को दोपहर लगभग 2 बजे दीपिका और उनके बच्चे घर पर मौजूद थे। इस दौरान दीपिका ने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया। बच्चों को यह पता चलने पर उन्होंने चिराग सोलंकी को सूचना दी। साथ ही, दीपिका के पिता नरेश पटेल को भी खबर दी गई।

सबसे पहले चिराग दीपिका के घर पहुंचे। हालांकि, दीपिका ने अपना कमरा अंदर से लॉक किया हुआ था, इसलिए चिराग ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

CCTV घटना क्रम:

- 2:07 बजे: पार्षद चिराग सोलंकी पहुंचे।
- 2:17 बजे: डॉक्टर आकाश पटेल पहुंचे।
- 2:30 बजे: भतीजा पहुंचा।
- पहले माले का दरवाजा लॉक था।
- कमरे में चिराग, आकाश और दीपिका अंदर थे।
- 2:34 बजे: डॉक्टर सुनील पहुंचे।
- भतीजे ने घर के अन्य सदस्यों को जानकारी दी।
पति, बच्चे पोस्टमॉर्टम रूम में अंदर गए थे।

चिराग ने दीपिका को लटकती हुई स्थिति से नीचे उतारा।

दीपिका ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिससे वह लटकी हुई थीं। चिराग ने दीपिका को लटकती स्थिति से नीचे उतारा। इसके बाद दुपट्टे को अलमारी में रख दिया और डॉक्टर आकाश को बुलाया। इसके बाद, उन्होंने एक और डॉक्टर सुनील को भी बुलाया।

इस दौरान घर के मेन गेट को लॉक कर दिया गया। घटना के करीब आधे घंटे बाद दीपिका का भतीजा घर पहुंचा। जब परिवारजनों और आसपास के लोगों को बताया गया कि दीपिका ने आत्महत्या कर ली है, तो तुरंत दीपिका को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार के साथ चिराग को भी पोस्टमॉर्टम रूम के अंदर ले जाया गया।

भाजपा महिला मोर्चा की वार्ड नंबर 30 की प्रमुख के आत्महत्या की खबर कुछ ही समय में फैल गई। इसके बाद गांव के लोग और रिश्तेदार बड़ी संख्या में सूरत सिविल अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर जुट गए। दीपिका के पति और उनके तीनों बच्चे भी वहां मौजूद थे।

दीपिका की आत्महत्या के बाद चिराग सोलंकी के खिलाफ विभिन्न आरोप लगाए जा रहे थे। परिवार के साथ चिराग सोलंकी को भी पोस्टमॉर्टम रूम के अंदर ले जाया गया और उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान पुलिस ने वीडियो कॉल के जरिए उस दुपट्टे को भी जब्त किया, जिसे चिराग ने अलमारी में रखा था।

मृतका का फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया।

पुलिस निरीक्षक (पीआई), डीसीपी और अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे, और उनकी उपस्थिति में फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया। फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम की प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह आत्महत्या का मामला है।

शरीर पर किसी और के निशान नहीं मिले, जिससे दीपिका के भांजे द्वारा लगाए गए हत्या के आरोप खारिज हो गए। हालांकि, दीपिका पटेल ने किस कारण से आत्महत्या की, इसका कारण अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

चिराग के साथ परिवार जैसा संबंध बन गया था।

दीपिका के पति के अनुसार, चिराग सोलंकी से उनका संपर्क दो साल पहले हुआ था। इसके बाद, चिराग अक्सर उनके घर आता-जाता रहता था। चिराग के साथ उनका रिश्ता इतना गहरा हो गया था कि दीपिका उन्हें भाई मानती थीं, और दीपिका के बेटे भी चिराग को च्मामाज्ञ कहकर बुलाते थे।

हालांकि, दीपिका की आत्महत्या के बाद रिश्तेदारों और गांववालों ने चिराग पर कई तरह के आरोप लगाए। इसके विपरीत, दीपिका के पति ने चिराग के खिलाफ किसी भी प्रकार के आरोप नहीं लगाए हैं।

घर में तीन-तीन बच्चे मौजूद और मां ने आत्महत्या कर ली। दीपिका जैसी महिला आत्महत्या करे, यह किसी के गले नहीं उतर रहा। वह बहुत साहसी और मजबूत महिला थीं। अगर किसी को आत्महत्या करने की स्थिति में देखतीं, तो उसे बचाने की क्षमता रखती थीं। पूरे गांव में उनकी बहुत इज्जत थी। जब घर में तीन-तीन बच्चे मौजूद हों और मां आत्महत्या कर ले, तो यह घटना विश्वास से परे लगती है। प्राथमिक दृष्टि में ऐसा प्रतीत होता है कि दीपिका को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया गया होगा। उनका परिवार सुखी और संपन्न था, और घर में भी सब खुश रहते थे। ऐसे में यह कदम उठाना शक पैदा करता है।

परिवार की मांग है कि जांच निष्पक्ष और विस्तृत हो। परिवार का मानना है कि दीपिका को फोन या अन्य माध्यमों से ब्लैकमेल किया जा रहा था। साथ ही, जो भी अन्य आरोप लगाए जा रहे हैं, उनकी भी जांच होनी चाहिए। वे इसे एक साहसी महिला मानते हैं और चाहते हैं कि उन्हें न्याय मिले। परिवार की मांग है कि पूरी तरह से निष्पक्ष और विस्तृत जांच की जाए। दीपिका के दोनों फोन मिल चुके हैं, और उनकी कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है, जो अगले दिन तक उपलब्ध हो सकती है। परिवार ने यह भी बताया कि वे पुलिस के उच्च अधिकारियों से मिलकर निष्पक्ष जांच और जल्दी न्याय दिलाने की अपील करेंगे।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आर.के. सिन्हा

> पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों मे देखने को मिलते हैं।

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं।

वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन, ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था।

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है।

तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं।

बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है, जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ₹दूसरे₹ के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त, 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे। मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।

जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं। आगे क्या होगा शायद खुदा को खुद भी पता न हो। आगे-आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

क्या 1971 याद नहीं

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कातिलाना हमले और उनके मंदिरों को तोडे, आग लगा देने की घटनाओं पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य देंगे। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडकों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं, मंदिरों में देवी-देवताओं की जिस तरह प्रतिमाएं खंडित की जा रही हैं, क्या वे खुद हिंदू ही कर रहे हैं? भारत के हिंदू हों या बांग्लादेश में बसे हिंदू हों, सभी सनातनी संस्कृति के आस्थावान समुदाय हैं। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा करना प्रधानमंत्री मोदी का ही समान दायित्व है। यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह का राज्यसभा में दिया यह बयान बिल्कुल गलत है कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। वहां के कट्टरपंथी तो बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त करना चाहते हैं।

वे ऐसे ऐलान भी करते रहे हैं। स्थानीय विश्वविद्यालयों से हिंदू प्रोफेसरों को जबरन निकाला जाता रहा है। वहां की सरकार खामोश, कन्नी काट कर बैठी रहेगी, तो क्या भारत सरकार भी तटस्थ बनी रहेगी? शायद बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को याद नहीं है कि 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में भारत का निर्णायक योगदान था। यदि भारतीय सेना तत्कालीन 'मुक्तिवाहिनी' के आंदोलन के साथ न जुड़ती, तो शायद बांग्लादेश ही न बनता! बेखौफ, बेलगाम घूमती कट्टरपंथी जमात को यह इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को यह भी याद नहीं होगा कि जब 'बांग्लादेश' बन रहा था, तब चारों ओर भुखमरी, गरीबी के ही हालात थे। उस दौर में 'इस्कॉन' ने ही रोजाना लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया था। भारत में भी करीब 12,000 बांग्लादेशियों को हर रोज खाना खिलाया गया था। आज भी बांग्लादेश में 'इस्कॉन' 77 मंदिरों का संचालन कर रहा है और 75,000 से अधिक उसके अनुयायी हैं। तब प्रख्यात सितारवादक पंडित रवि शंकर ने एक अन्य विदेशी संगीतकार के साथ मिल कर न्यूयॉर्क में कंसर्ट किया था, जिससे बांग्लादेश के लिए 100 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

चिंतन-मनन

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : प्रदूषण से बढ़ती मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद, प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्न अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। प्रदूषण के कारण जल, भूमि, और वायु प्रदूषित होता है, जिससे मौतें होती हैं, प्रदूषण से जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्न की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्मा इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियों ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दशार्ता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है।

हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्न की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है, विचार और योजनाएं बनानी चाहिए।

वैश्विकी: सीरिया में रूस विरोधी जेहाद

ड़ॉ. दिलीप चौबे

पश्चिम एशिया में इस्त्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध विराम के तुरंत बाद सीरिया में युद्ध का एक नया मोर्चा खुल गया है। सीरिया पश्चिम एशिया में संभवत एकमात्र धर्मनिरपेक्ष देश है जो अरब-इस्लामी देशों की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। लंबे समय तक वहां दुनिया भर के जेहादी संगठन राष्ट्रपति बशर-अल-असद की सरकार के खिलाफ मुहिम चलाते रहे हैं। आतंकवादी संगठन आईएस, अल कायदा और अल-नुसरा सहित अनेक जेहादी संगठनों ने सीरिया में बड़े पैमाने पर खून-खराबा किया। राष्ट्रपति असद की सरकार रूस और ईरान के समर्थन से देश में अपना शासन बनाए रखने में सफल रही। एक समय ऐसा था जब दुनिया भर के जेहादी समर्थक लड़ाकू सीरिया कूच कर रहे थे। यूरोप से भी अनेक गुमराह युवा सीरिया के जेहाद में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने आईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में भाग लिया था। लेकिन उन्होंने असद सरकार के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहे खी सीरियन आर्मी और अल-नुसरा जैसे संगठनों को सहायता दी थी। इस्त्राइल भी असद सरकार को अपने लिए खतरा मानता है। यही कारण है कि उसने भी असद विरोधी संगठनों को मदद दी।

नवीनतम घटनाक्रम में तुर्की समर्थक आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एसटीएस) के विद्रोहियों ने सीरिया के दो शहरों अलेप्पो और अल्दीव पर धावा बोल दिया। यह हमला इतना आकस्मिक और बड़े पैमाने पर था कि सरकारी सेनाएं लड़खड़ा गइ्र। दो-तीन दिनों में ही आतंकवादियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। सीरिया की सेना के सामने पीछे हटकर नये सुरक्षा मोर्चा कायम करने के अलावा और कोई चारा नहीं था। आतंकवादियों ने अलेप्पो में राष्ट्रपति असद और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को ध्वस्त कर दिया। ऐसे ही दृश्य कुछ दिन पहले बांग्लादेश में देखने को मिले थे जब इस्लामी उग्रवादियों की भीड़ ने राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाओं को तोड़ा था।

सीरिया की घटनाक्रम में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की भूमिका सबसे अधिक संदिग्ध है। वास्तव में एचटीएस की सैनिक सफलता के पीछे तुर्की का सक्रिय सहयोग है। सीरिया में तुर्की के सीमावर्ती इलाकों में सीरिया की सेनाओं और उसके समर्थक सशस्त्र गुटों की मौजूदगी है। कुछ वर्ष पूर्व रूस और तुर्की के बीच यह सहमति बनी थी कि वह यथास्थिति कायम रखेंगे। एसटीएस के हमले से जाहिर है कि तुर्की ने इस समझौते को तोड़ा है तथा वह असद सरकार को अस्थिर बनाने की साजिश में शामिल है।

कुछ विश्लेषकों के अनुसार इस प्रकरण में अमेरिका, खंस, इस्त्राइल और यूक्रेन की भी हिस्सेदारी है। रूस ने तुर्की पर समझौता तोड़ने का आरोप लगाया है। रूस की ओर से सीरिया की मदद के लिए युद्ध विमान भेजे गए हैं। रूस की वायु सेवा अलेप्पो और अल्दीव में विद्रोहियों के मोर्चों पर बमबारी कर रही है। इससे आतंकवादियों को जान-माल का नुकसान होगा और उनकी बढ़त रुकेगी। लेकिन जमीनी मोर्चे पर सरकारी सेनाओं के लिए अलेप्पो पर दोबारा कब्जा करना मुश्किल होगा। रूस भी इस समय यूक्रेन युद्ध में उलझा है। उसके लिए भी आसान नहीं होगा कि वह अपने सैन्य संसाधन बड़ी मात्रा में सीरिया भेजे।

फिलहाल, प्रारंभिक झटके के बाद सीरिया की सेना फिर लामबंद हो रही है। उसने नए सुरक्षा मोर्चे काम किए हैं तथा जवाबी हमले की तैयारी में है। कुल मिलाकर, हालात राष्ट्रपति असद के प्रतिकूल हैं। उनकी सरकार को हिजबुल्लाह का सक्रिय समर्थन हासिल था। पिछले एक वर्ष में हिज्बुल्लाह की ताकत काफी कम हुई है। गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह इस्त्राइली हमलों के कारण संगठित सैन्य ताकत नहीं रहे हैं। ईरान भी सीरिया की मदद करने की बजाय आत्मरक्षा की कवायद में है। पश्चिम एशिया में सुन्नी और शिया देशों की टकराव का यह ज्वलंत उदाहरण है। इसकी परिणति एक धर्मनिरपेक्ष देश के पतन के रूप में सामने आ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमएंडएम मौजूदा बिक्री नेटवर्क के जरिए ईवी बेचेगी

एक जगह उपलब्ध होंगे सभी विकल्प

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घोषणा की है कि वे अब अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपने मौजूदा बिक्री नेटवर्क के माध्यम से बेचेंगे। यह नई पहल का मकसद है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी विकल्प उपलब्ध कराएं जाएं। इस उद्देश्य को पूरा करते हुए कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल - बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का विस्तार किया है। एमएंडएम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसमें व्यापक रूप से भाग लेने की योजना बताते हुए कहा` कि हम बिक्री चैनल को एक समान रखना चाहते हैं ताकि ग्राहक को आईसीई और ईवी के बीच चयन करने की सुविधा मिले। वे एक संवेदनशील प्रश्न के जवाब में यह भी बताते हैं कि क्या कंपनी अपने ईवी रेंज के लिए एक अलग बिक्री नेटवर्क की स्थापना करेगी। जारी` किए गए बयान में यह भी कहा कि एमएंडएम एक विशेष टीम की स्थापना कर रही है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और सेवा को संभालेगी। उन्होंने बताया कि नए वाहन मॉडल संबंधी डिलीवरी को फरवरी-मार्च के बीच में शुरू किया जाएगा और वे आशा कर रहे हैं कि ग्राहकों को यह नए विकल्प पसंद आएंगे। इस पहल के बाद एमएंडएम ने ईवी बिक्री और सेवा को सुधारने के लिए एक विशेष धारा स्थापित करने की योजना बनाई है जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधा मिले।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पर

- विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख मोटरकार कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रविवार का एक मुख्य घोषणा की कि नवंबर 2024 तक उनकी थोक बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पहुंच गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि उनके इलेक्ट्रिक वाहन विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की है। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल मासिक बिक्री में नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) का हिस्सा 70 प्रतिशत है। यह उछाल उनके इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है और उन्हें बाजार में भी मजबूती का अहसास करवाता है। इस ताजा विकेन्द्रीकरण के साथ जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को लेकर नए उत्साह का संकेत दिया है। उनकी विंडसर श्रृंखला और एनईवी सेगमेंट में उच्च बिक्री उनके उद्यमी रुझान के प्रति विश्वास को मजबूत कर रही है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा हुआ

- एटीएफ के दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर बढे

नई दिल्ली । कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपये की वृद्धि कर दी है। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 1818.50 रुपये का है। यह पांचवां महीना है जब इन सिलेंडरों की कीमतें बढ़ रही हैं। इस बढ़ती कीमतों का असर हवाई ईंधन के भी दामों पर पड़ रहा है। एटीएफ का दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर महंगा किया गया है। यह दर भी पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। अब एलपीजी सिलेंडर की कीमतें नवंबर में भी बढ़ी थीं। इसमें कोलकाता में 1927.00 रुपये, मुंबई में 1771.00 रुपये और चेन्नई में 1980.50 रुपये की कीमतों का घोषणा की गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में सब्सिडी के बिना इस सिलेंडर की कीमत 803.00 रुपये में है। कंपनियों ने यह भी जाहिर दिया कि हवाई ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया गया है, जिससे उड़ान भरने वालों के लिए टिकट की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इस बढ़ोतरी की क्या होगा अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है।

हमारे समूह पर हुए हमलों ने हमें मजबूत बनाया है: गौतम अदाणी

अदाणी ने कहा, सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स जगमगाईं, जहां अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपनी विचारधारा को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर हमला उन्हें और मजबूत बनाता है और हर बाधा एक सीढ़ी बना देता है। इस समारोह में गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के चर्चे किए। उन्होंने दुनिया को यह दिखाया कि उनकी विचारधारा कैसे उन्हें समृद्धि की ओर ले जा रही है। गौतम अदाणी ने समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया, जो दिखाता है कि उनकी संघर्षमय यात्रा में किसी भी चुनौती का कैसे सामना किया गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बनाए रखने का प्रमाण दिया। उन्होंने ध्यान दिया कि सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा परंतु उन्हें आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गौतम अदाणी की ये विचारधारा और संघर्ष आज के दुनिया में एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो हमें यह सिखाते हैं कि उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हर मुश्किल का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

देश की नौ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.29 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह देश की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,29,589.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम को सबसे अधिक लाभ हुआ। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकर 39,513.97 करोड़ रुपये बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि, इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

विदेशी निवेशकों ने निकाले भारतीय इक्विटी बाजार से 21,612 करोड़

अक्टूबर में एफपीआई ने 94,017 करोड़ की बिकवाली की थी

नई दिल्ली।

नवंबर महीने में भारतीय इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों ने इतने संकेतिक रूपये निकाले जितने कि 2.56 अरब अमेरिकी डॉलर में इस संकेतिक निकासी के परिणामस्वरूप, विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि, डॉलर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी की वजह से एफपीआई निवेशकों की बिकवाली दिख रही है। हालांकि, इस निकासी का स्तर अक्टूबर के निकासी के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा है जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। अब तक 2024 में एफपीआई ने कुल 15,019 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि आने वाले समय में ट्रंप के नीतियों, मुद्रास्फीति, और ब्याज दर से एफपीआई का रुख निर्धारित होगा। साथ ही, उन्होंने भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के आय प्रदर्शन की भूमिका के महत्व को भी जानकारी दी।

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

मुंबई ।

इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है।

भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक बाजार, आवक घटने से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच देश में सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 10-15 प्रतिशत कमजोर रहने की वजह इन तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों की आवक घटकर प्रतिदिन करीब 1.5 लाख बोरी रह गई जबकि सरसों की प्रतिदिन की खपत करीब 3.5-4 लाख बोरी की है। चूंकि अब पामोलीन तेल का दाम सरसों से अधिक हो गया है इसलिए आगे जाकर सरसों की खपत और बढ़ने जा रही है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,410 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,500-4,550 रुपये और 4,200-4,235 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 75 रुपये, 125 रुपये और 185 रुपये सुधरकर क्रमशः 13,875 रुपये, 13,825 रुपये और 9,885 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने और मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट आई। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,100-6,475 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 600 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 90 रुपये की गिरावट दर्शाता 2,130-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रेवफिन का पांच वर्षों में 20 लाख वाहन वित्तपोषित करने का लक्ष्य- सीईओ

- कंपनी ने लगभग 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का निर्णय किया

नई दिल्ली । डिजिटल वाहन फाइनेंस कंपनी रेवफिन ने घोषित किया है कि उनका मुख्य लक्ष्य है अगले पांच वर्षों में 20 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्तपोषित करना। कंपनी के संस्थापक और सीईओ समीर अग्रवाल ने इस उद्देश्य को पाने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का निर्णय किया है। रेवफिन ने मार्च 2026 तक अपने लक्ष्य के हिसाब से लगभग 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज देने का भी निर्णय किया है। कंपनी का प्रमुख ध्यान इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों के वित्तपोषण पर है। अग्रवाल ने बताया कि कंपनी इक्विटी के जरिये अगले 18 महीनों में पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। अब तक रेवफिन ने लगभग 75,000 वाहनों को वित्तपोषित किया है और इसका अनुमान है कि इस साल के अंत तक लगभग 25,000 वाहनों को और वित्तपोषित किया जाएगा। अग्रवाल ने बताया कि रेवफिन ने कुल 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज दिए हैं, और उनमें से लगभग 400 करोड़ रुपये केवल इस वर्ष जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी ने अगले 18 महीनों में ऋण वितरण को 1,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस शीर्ष पर कायम

मुंबई ।

राजस्व, लाभ, बाजार मूल्य और सामाजिक प्रभाव के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में भारत की सबसे अधिक विजिबिलिटी वाली कंपनी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मीडिया में रिलायंस की विजिबिलिटी भारत की अग्रणी एफएमसीजी या बैंकिंग और वित्त कंपनियों की तुलना में काफी अधिक है।

साल 2024 के लिए न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 100 में से 97.43 अंक हासिल किए।

साल 2023 में यह 96.46, 2022 में 92.56 और 2021 में 84.9 था। कंपनी लगातार टॉप पर बनी हुई है और इसकी विजिबिलिटी बढ़ रही है।

दरअसल विजीकी का न्यूज स्कोर खबरों की संख्या, शीर्षक उपस्थिति, प्रकाशनों की पहुंच और पाठकों की संख्या के आधार पर निर्धारित होता है।

रिलायंस विजीकी की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों से वार्षिक रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। विजीकी रैंकिंग में रिलायंस की रैंकिंग 97.43 के न्यूज स्कोर के साथ बाकी कंपनियों से ऊपर रही। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (89.13), एचडीएफसी बैंक (86.24), पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (84.63), आईसीआईसीआई बैंक (84.33) और जोमैटो (82.94) का स्थान रहा।

विजीकी न्यूज स्कोर एक गणना है, जो विभिन्न कारकों पर विचार करके भारत में किसी ब्रांड की मीडिया उपस्थिति को दिखाता है। इसमें समाचार की संख्या (ब्रांड के बारे में समाचार की संख्या), शीर्षक उपस्थिति (ब्रांड का नाम कितनी बार सुर्खियों में दिखाई दिया), प्रकाशन पहुंच (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पहुंच) और पाठक संख्या (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पाठक संख्या) शामिल हैं। स्कोर शून्य से 100 तक होता है और यह चार लाख से अधिक प्रकाशनों की निगरानी पर आधारित है।

नैसकॉम ने लॉन्च की प्लेबुक, एआई जोखिम को कम करने में करेगी मदद

नई दिल्ली।

नैसकॉम ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए डेवलपर्स प्लेबुक लॉन्च की है। यह प्लेबुक डेवलपर्स को देश में एआई डेवलपमेंट, स्थापना और इस्तेमाल को लेकर जोखिमों की पहचान कर उन्हें कम करने में मदद करेगी। नई दिल्ली में कॉन्फ्लुएंस फॉर रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस (आरआईसीओएन) के उद्घाटन अवसर पर लॉन्च की गई प्लेबुक एआई रिस्क मैनेजमेंट लैंडस्कैप को नेविगेट करने में डेवलपर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बीच आई है।

प्लेबुक भारत सरकार और नैसकॉम के एक साथ सहयोग से एआई से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए एक इंडस्ट्री फ्रेमवर्क की स्थापना को लेकर अहम है।

आईटी इंडस्ट्री बॉडी ने कहा कि उद्योग, सरकार, शिक्षा और नागरिक समाज के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के एक समूह ने प्लेबुक की कठोर समीक्षा और सत्यापन किया है। यह जिम्मेदार एआई के लिए एक संतुलित और अच्छी तरह से समर्थित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो देश के हितों और सामाजिक कल्याण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेबुक इनोवेटर्स को संभावित जोखिमों की पहचान करने, बेस्ट प्रैक्टिस के साथ तालमेल बैठाने और एआई विकास और स्थापना के लिए जिम्मेदार एआई पद्धतियों को अपनाने के लिए जरुरी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इंडिया एआई मिशन के सीईओ सिंह ने कहा कि प्लेबुक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करती है। प्लेबुक डेवलपर्स को प्रैक्टिकल फ्रेमवर्क के साथ एआई के सिद्धांतों को लागू करने में मददगार साबित होगी।

नैसकॉम के एआई प्रमुख ने कहा कि यह उद्योग हितधारकों के बीच जिम्मेदार एआई प्रैक्टिस को आगे बढ़ाने के लिए नैसकॉम जिम्मेदार एआई हब के चल रहे प्रयासों पर आधारित है।

होंडा की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई पेश

नई दिल्ली ।

होंडा ने भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रख दिया है। कंपनी ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई को पेश किया है। फिलहाल, कंपनी ने इन स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स एक्टिवा- ई और क्यूसीआई में उपलब्ध होगा। स्कूटर की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। शुरुआती चरण में यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में उपलब्ध होगा। एक्टिवा- ई में 1.5केडब्ल्यूएच की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जिन्हें होंडा मोबाइल पॉवर पेक- ई नाम दिया गया है। ये बैटरियां एक बार चार्ज होने पर 102 किलोमीटर की रेंज देती हैं।

बैटरी को चार्ज करने की झंझट खत्म करने के लिए होंडा ने दिल्ली और बेंगलुरु में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित कर दिए हैं, और मुंबई में यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी। स्कूटर में 6केडब्ल्यू परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर दी गई है, जो 22एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है।एक्टिवा- ई को 12-इंच अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन के साथ पेश किया गया है। इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है। यह स्कूटर पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगाः पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मेटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक।

होंडा एक्टिवा- ई अपने दमदार फीचर्स और स्वैपेबल बैटरी तकनीक के जरिए भारतीय बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स ईको, स्टैंडर्ड, और स्पोर्ट दिए गए हैं। स्पोर्ट मोड में यह 80 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है और 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है।

आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

नईदिल्ली ।

भारत में आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर दी गई है। इसकी सीधी टक्कर टाटा कर्व ईवी से होगी, जो पहले से ही इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है।कंपनी ने इस नई ईवी को अपने अत्याधुनिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है।

महिंद्रा बीई 6ई को बोल्ड और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है। कार के बोनट पर बीई का लोगो और सी-शेप डीआरएल के साथ शार्प एलईडी हेडलाइट्स इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में डबल इंटीग्रेटेड स्क्रीन, टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और ब्लैक-एंड-व्हाइट केबिन थीम दी गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसकी अधिकतम रेंज है, जो 682 किलोमीटर तक है। दो बैटरी पैक विकल्प 59केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच दिए गए हैं। डीसी 175केडब्ल्यू फास्ट चार्जर की मदद से यह कार मात्र 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, एडीएएस लेवल 2 प्लस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। इसकी शुरुआती कीमत 18.90 लाख रुपये रखी गई है। महिंद्रा बीई 6ई अपनी लंबी रेंज और तेज चार्जिंग के साथ एक नया मानक स्थापित कर सकती है।

वहीं, टाटा कर्व ईवी पहले से अपने फीचर्स और मूल्य के कारण बाजार में मजबूत स्थिति में है। दोनों मॉडलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। वहीं, टाटा कर्व ईवी 502 किलोमीटर की अधिकतम रेंज और 45केडब्ल्यूएच व 55केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आती है। इसके इंटीरियर में 12.3 इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 17.49 लाख रुपये से शुरू होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को 6 विकेट से हराया

कैनबरा (एजेंसी)। हर्षित राणा के (चार विकेट) के बाद शुभमन गिल (रिटायर्ड नाबाद 50), यशस्वी जायसवाल (45), नीतीश कुमार रेड्डी (42) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को मनुका ओवल में गुलाबी से खेले गए अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हरा दिया।

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। इसी दौरान केएल राहुल (नाबाद 27) रन पर रिटायर्ड हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ पारी को संभाला। 17वें ओवर में चार्ली एंडरसन ने यशस्वी जायसवाल (45) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई।

कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर विफल रहे और तीन रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल (नाबाद 50) रन बनाकर रिटायर्ड हुये। नीतीश कुमार रेड्डी ने (42) रनों की पारी खेली। रवींद्र जाडेजा (27) और सरफराज खान (एक) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर (37) रन बनाकर और देवदत्त पड्क्किल (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 46 ओवर में पांच विकेटपर 256 रन बनाये। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की ओर से चार्ली एंडरसन ने दो विकेट लिए। लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए।

मोहम्मद सिराज ने भारत को पहली सफलता मैट रेनेशॉ को आउट कर दिलाई। इस दौरन बीच में बारिश के कारण कुछ देर खेल रूका रहा। दोबारा खेल शुरु होने पर आकाश दीप ने जेडन गुडबिन (चार) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करवाया। इसके बाद जैक क्लेटन ने सैम कॉन्स्टास के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 109 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में हर्षित राणा ने एक ओवर में ऑस्ट्रेलिया को दो झटके दिए।

हर्षित ने पहले जैक क्लेटन (40) को बोल्ड आउट किया उसके बाद ऑलिवर डेविस (शून्य) बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान जेक एडवड्र्स (एक)और सैम हार्पर (शून्य) भी हर्षित का शिकार बने। हैनो जेकब्स (60) को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। आठवें विकेट के रूप में सैम कॉन्स्टास (107) रन पर आउट हुये। उन्हें आकाशदीप ने सैनी के हाथों कैच आउट कराया। जैक निस्बेट (11) और

एडन ओ%कॉनर (चार) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश 43.2 ओवर में 240 पर सिमट गई। भारत की ओर से हर्षित राणा ने चार, आकाश दीप ने दो, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा,वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल में ऋषभ, श्रेयस और वेंकटेश पर रहेंगी नजरें

मुंबई (एजेंसी)। पिछले तीन सत्र में आईपीएल नीलामी में सबसे अधिक कीमतों में बिकने वाले खिलाड़ी असफल रहे हैं। ऐसे में साल 2025 सत्र के लिए बिके सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत के अलावा श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर की भी इस बार आईपीएल में कड़ी परीक्षा होगी। ऋषभ नीलामी में सबसे अधिक 27 करोड़ जबकि श्रेयस 26.75 करोड़ और वेंकटेश 23.75 करोड़ में बिकने के साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। पिछले तीन सत्र की बात करें तो 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले 9 खिलाड़ियों की तुलना में सस्ते खिलाड़ी अधिक सफल रहे जबकि उनकी कुल कीमत 3.35 करोड़ रुपए थी।

पिछले सत्र में मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ मिले थे और उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से-14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट लिए जबकि पैट कमिंस को 20.5 करोड़ मिले थे और उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया। वहीं डैरिल मिचेल = 14 करोड़ मिले और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट ही लिया। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के शशांक सिंह को 20 लाख मिले और उन्होंने पंजाब किंग्स की ओर से 44.25 के औसत के साथ 354 रन बनाये।स्ट्ब्स को 50 लाख मिले ओर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से 13 पारी में 191 के औसत से 378 रन बनाये जबकि रमनदीप 20 लाख में बिके और उन्होंने फिनिशर के तौर पर काफी अच्छा काम किया। वहीं 2023 और 2022 सत्र में भी करोड़ा की राशि हासिल करने वाले असफल रहे जबकि लाखों पाने वालों ने कमाल किया।

जय शाह ने आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला

दुबई (एजेंसी)। जय शाह ने 1 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये अध्यक्ष के रूप में अपनी पद संभाल लिया। जय शाह ने ग्रेग बार्कले की जगह ली है। बाकले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। आईसीस प्रमुख के रूप में अपने अपने संबोधन में शाह ने कहा कि लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किये जाने और महिलाओं के खेल के विकास को प्राथमिकता देने पर वह ध्यान देंगे।

शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए मैं आभारी हूं। यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम ओलंपिक ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के एक साथ होने से आ रही परेशानद और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर काम कर रहे हैं। क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आये जाने की अपार संभावनाएं हैं, और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने और खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

शाह ने साल 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन से अपना कामकाज शुरू किया था। वहीं साल 2019 में वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सबसे कम उम्र के मानद सचिव बने। शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी रहे है। इसके अलावा उन्होंने आईसीसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति की अध्यक्षता की। शाह ने पिछले चार वर्षों में अपने योगदान को मान्यता देते हुए निवर्तमान आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का आभार व्यक्त किया।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में आठ विकेट से दी शिकस्त

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। हैरी ब्रूक (171) ब्राइडन कार्स (छह विकेट) और जेकब बेथेल (नाबाद 50) रनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में रविवार को न्यूजीलैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड की टीम ने महज 12.4 ओवर में दो विकेट पर 104 रन के लक्ष्य को हासिल कर यह जीत दर्ज की। चौथे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड की पूरी टीम 254 रन पर समेट दिया था। डैरिल मिचेल (84), केन विलियमसन (61) रनों की पारी खेली। रचिन रविंद्र (24), नेथन स्मिथ (21) और ग्लेन फिलिप्स (19) रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद इंग्लैंड को जीत के लिए 104 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से ब्रायडन कार्स ने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट लिये। क्रिस वोक्स को तीन विकेट मिले। गस ऐटकिंसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सबसे कम ओवरों में टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक रनों के लक्ष्य को हासिल करने का विश्व रिकार्ड भी बना लिया है। इंग्लैंड के लिए जहां हैरी ब्रूक ने (171) रनों की शानदार शतकीय पारी खेली वहीं ब्रायडन कार्स ने पूरे मैच में 10 विकेट झटके। उन्होंने पहले पारी में 19 ओवर में 64 रन देकर चार विकेट लिए।

वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट झटके। उन्हें बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहली पारी में केन विलियमसन (93), कप्तान टॉम लेथम (47) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 58) की शानदार पारियों की मदद से 348 रन बनाये थे। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में हैरी ब्रूक (171), बेन स्टोक्स (80), गस ऐटकिंसन (48) और बेन डकेट (46) की बेहतरीन पारियों की मदद से499 का स्कोर खड़ा कर पहली पारी के आधार पर 151 रनों की बढ़त ली थी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने चार, नेथन स्मिथ तीन, टिम साउदी दो और विलियम ओरूर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया था। इंग्लैंड ने इस जीत के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को मिला फायदा

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल की रेस फिलहाल पांच टीमों के बीच जंग है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड WTC फाइनल के सबसे बड़े दावेदार हैं। इंग्लैंड के हाथों मिली हार से न्यूजीलैंड को टेबल में रैंकिंग पर कोई नुकसान नहीं हुआ, न्यूजीलैंड चार नंबर पर ही बरकरार रही। वहीं टीम इंडिया को इससे बड़ा फायदा हो सकता है। हाल ही में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में हराकर प्वॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था। वहीं साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराया और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर सीधे नंबर 2 पर है। जबकि नंबर 3 पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है।

सूर्यकुमार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे

हैदराबाद । भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की संभावनाएं हैं। सूर्यकुमार मंगलवार से मुंबई की ओर से आंध्र के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के शेष मैचों में उतरेंगे। इसके बाद वह 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और उनके अगले ही दिन मैच में भी खेलने की उम्मीद है। ग्रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी भी

खेल रहे है। दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले सूर्यकुमार ने अक्टूबर में रणजी ट्रॉफी का एक दौर भी खेला था। सूर्यकुमार इस टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे।

रूट ने तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ा

क्राइस्टचर्च । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की चौथी पारी में 22 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब रुट चौथी पारी में ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय टीम के महान बल्लेबाज तेंदुलकर से भी आगे निकल गये हैं। रूट के अब चौथी पारी में 1630 रन हो गये हैं जबकि तेंदुलकर के नाम 1625 रन ही हैं। इससे इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पिछले महीने रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ा था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि केवल 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रूट से आगे अब रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक लगाकर शतकों के मामले में कुक का रिकार्ड तोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक अपने नाम किये थे।

अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

-राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने में खुशी होती है

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है। मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस करके पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा।

मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था। अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे। विश्व कप क्वालीफिकेशन में 34, कोपा अमेरिका में 17 और विश्व कप में 13 और अर्जेंटीना वह देश था जहां उन्होंने सबसे अधिक गोल 34 किए।

आईपीएल ऑक्शन के सबसे युवा खिलाड़ी पाक के खिलाफ फ्लॉप

दुबई । आईपीएल ऑक्शन 2024 में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में इतिहास बनाने वाले 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने के बाद फ्लॉप साबित हुए। भारत के अंडर-19 टीम के बाएं हाथ के ओपनर सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जहां पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 281 रन बनाए थे। सूर्यवंशी को अपनी पारी के दौरान अली रजा की तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जो एक एंगल बॉल थी। गेंद सूर्यवंशी के बल्ले का मोटा किनारा लेकर विकेटकीपर साद बेग के हाथों में समा गई। इससे पहले, भारत की शुरुआत काफी खराब रही थी। आयुष म्हात्रे भी महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं, को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था, जबकि उनका बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था। इस आईपीएल डील के बाद से उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें थीं, खासकर एशिया कप के इस महत्वपूर्ण मैच में। सूर्यवंशी ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरी भी बनाई थी, लेकिन एशिया कप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाजेब खान के विस्फोटक 159 रन की पारी के दम पर भारत के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम ने जवाब में संघर्ष किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही। हालांकि, भारत अंडर-19 एशिया कप की सबसे मजबूत टीम मानी जाती है, क्योंकि उसने इस टूर्नामेंट में अब तक 8 बार ट्रॉफी जीती है। भारत की टीम इस बार फेवरेट मानी जा रही थी, लेकिन पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद यह देखा जाएगा कि क्या वे फिर से खिताब हासिल कर पाते हैं या नहीं।

शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा कर रहा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। शमी को राष्ट्रीय टीम में जगह देने से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी फिटनेस को लेकर आश्वस्त होना चाहता है। चोट के बाद वापसी कर रहे शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदर्शन के आधार पर होगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम उनकी फिटनेस का गहरानी से निरीक्षण कर रही है। स्पोर्ट्स साइंस विभाग के प्रमुख नितिन पटेल और चयनकर्ता एसएस दास राजकोट में शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। शमी को टीम में शामिल करने से पहले बीसीसीआई पक्का करना चाहता है कि वह टेस्ट क्रिकेट की मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस दौरान शमी के दैनिक वर्कलोड, प्री-मैच और पोस्ट-मैच स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शमी ने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 1/46, हैदराबाद के खिलाफ 3/21, मिजोरम के खिलाफ 0/46 और मध्य प्रदेश के खिलाफ 0/38 का प्रदर्शन किया। फिटनेस के लिहाज से वह इन मुकाबलों में बेहतर नजर आए हैं। इससे पहले उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए 7 विकेट हासिल किए थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन शमी की प्रगति पर नियमित अपडेट ले रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने शमी को टीम का अहम हिस्सा बताया है। बुमराह ने कहा, शमी हमारी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, और उम्मीद है कि वह जल्द टीम के साथ जुड़ सकते हैं। शमी के आगे के प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीआई उनका आंकलन करेगा।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी) भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार रैलियों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया।

पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई। पृथ्वी और साई ने पहले गेम में 8-8 की बराबरी हासिल की हुई थी लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में वापसी करते हुए भारतीयों ने ब्रेक तक 11-7 से बढ़त बना ली और यह गेम हासिल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने साई के ताकतवर स्मैश की बदौलत 1-5 से उबरते हुए 7-7 से बराबरी प्राप्त की। लेकिन 17-18 का अंतर कम करने के बावजूद चीन की जोड़ी ने संयम बरतते हुए मैच जीत लिया। मिश्रित युगल के फाइनल में तनीषा और ध्रुव 6-0 से आगे थे। पर थाईलैंड की जोड़ी ने

वापसी करते हुए बढ़त 14-12 कर दी। दोनों जोड़ियां फिर 18-18 से बराबर थीं।

तनीषा ने अहम मौके पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाया और पहला गेम भारतीयों की झोली में चला गया। दूसरे गेम में डेचापोल और सुपिसारा ने वापसी करते हुए 11-6 की बढ़त बना ली और मैच निर्णायक गेम तक ले गईं। तीसरे गेम में भारतीय जोड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए थाईलैंड की जोड़ी ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाने में कामयाब हो गई और फिर मुकाबला जीत लिया।

दूरदर्शन ने हॉकी इंडिया लीग के साथ किया साझेदारी, 28 दिसंबर से प्रसारण शुरू होगा

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन (डीडी) ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के साथ साझेदारी की है, ताकि देशभर के लाखों दर्शकों तक इस रोमांचक टूर्नामेंट का प्रसारण किया जा सके। यह साझेदारी खास है क्योंकि इस बार की लीग महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक होगी। एचआईएल 28 दिसंबर से शुरू होगा, और यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी के एक ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेगा। इस साल के संस्करण में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत और दुनिया भर के शीर्ष हॉकी खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। महिला हॉकी इंडिया लीग को शामिल करना हॉकी इंडिया की लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह महिला हॉकी को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का भी संकेत है। प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत सहगल ने इस साझेदारी के महत्व को बताया, हमें गर्व है कि प्रसार भारती हॉकी इंडिया लीग के साथ जुड़ा है। यह मंच हमारे राष्ट्रीय खेल का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के दर्शकों को जोड़ता है। हमारा उद्देश्य हॉकी की रोमांचक भावना को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक डेब्यू भी शामिल है। प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा, भारतीय हॉकी का स्वर्ण युग वापस आ रहा है, जैसा कि टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने से स्पष्ट है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

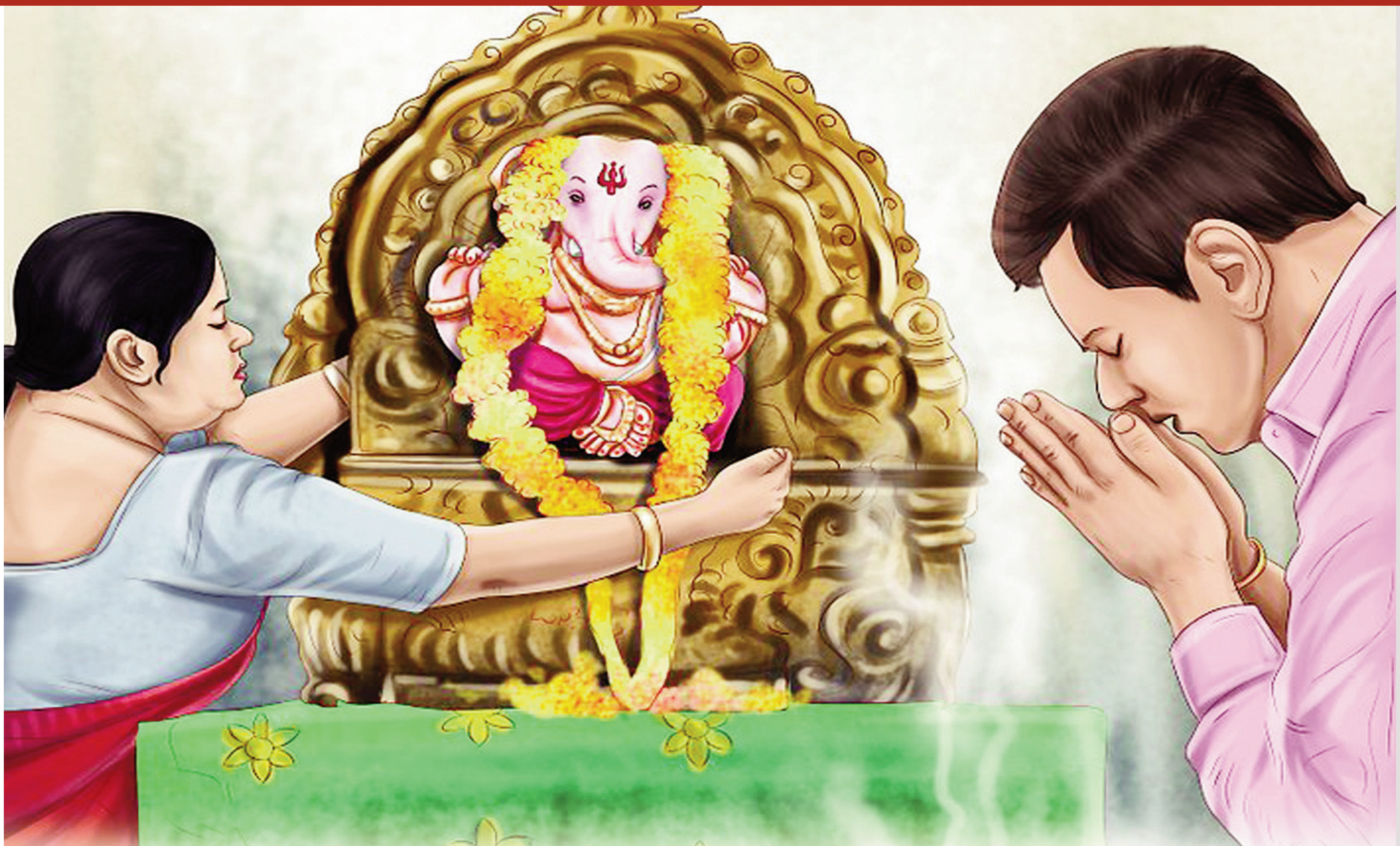

जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

ऐसे कीजिए प्रार्थना ईश्वर जल्द सुनेंगे

संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य प्राणी नहीं होगा जो प्रार्थना न करता हो। अमीर, गरीब, छोटे,बड़े जो भी हैं, वे सभी प्रार्थना अवश्य करते हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग दु ख की घड़ी में प्रार्थना ज्यादा करते हैं, इसलिए ही तो संत कबीर जी ने यह कहा है कि...

दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे दुख काहे को होय॥

वास्तव में देखा जाए तो ऐसा ही है, क्योंकि जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

अनुभव के आधार परऐसा अनेक बार देखा गया है कि सच्चे हृदय से यदि भगवान की प्रार्थना की जाती है तो अपना इच्छित मनोरथ व कार्य जरूर पूरा होता है।

इसके पीछे का अध्यात्मिक रहस्य यह है कि प्रार्थना करने वाले को यह विश्वास रहता है कि परमात्मा ऐसा शक्तिशाली है कि वह आसानी से मेरी इच्छा को पूरा करेंगे ही। इसके साथ-साथ वह यह भी सोचता है कि मैं अपने अन्त करण का श्रेष्ठतम भाग, श्रद्धा,विश्वास, परमात्मा पर आरोपण करते हुए सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रहा हूं।

इसलिए मेरी पुकार सुनी जाएगी। मनोचिकित्सकों के अनुसार कोई भी मनुष्य जब अपनी मानसिक स्थिति ऐसी बना ले कि मेरा मनोरथ सफल होने की पूरी आशा, पूरी संभावना है ही, तो अधिक मौकों पर उसके मनोरथ पूरे हो ही जाते हैं, क्योंकि आशा और संभावनामयी मनोदशा के कारण मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्तियां असाधारण रूप से जाग उठती हैं जिसके फलस्वरूप सफलता का मार्ग बहुत आसान बनता जाता है और प्राय वह प्राप्त भी हो जाता है।

परमात्मा की दृष्टि में सभी प्राणी एक समान हैं, अत वे समदर्शी कहलाते हैं। किंतु उस समदर्शी को भी विवश होकर एक बार यह कहना पड़ा कि समदर्शी मोहि कह सबकोऊ। सेवक प्रिय अनन्य गति सोऊ॥

अर्थात सभी मुझे समदर्शी कहते हैं, पर मुझे सेवक प्रिय हैं, क्योंकि वह अनन्य गति होता है। इसीप्रकार से विष्णु चतुर्भुज की प्रार्थना में जब भक्तयह कहते हैं कि

अविनयमपनय विष्णो दमयमनशमय विषयमृगतृष्णाम।
भूतदयां विस्तारयतारय संसारसागरत

तब उनकी यह प्रार्थना में कितनी श्रद्धा, विश्वास एवं नम्रता दिखती हैं। अब ऐसा कौन मनुष्य होगा जो इस नम्रता परन पिघल उठे? यह तो फिर उस महान विभूति के लिये प्रयुक्त है जो अपनी दयालुता के लिए दया सागर के नाम से विख्यात हैं।

इस प्रार्थना के बाद क्या कोई चिन्ता, दु ख द्वेषादि टिक सकते हैं? बिलकुल नहीं! गीता में प्रभु स्वयंजब यह गारंटी देते हैं कि जो मनुष्य एकमात्र मुझे लक्ष्य मान कर अनन्य-भाव से मेरा ही स्मरण करते हुए कर्तव्य-कर्म द्वारा पूजा करते हैं, जो सदैव निरन्तर मेरी भक्ति में लीनरहता है उस मनुष्य की सभी आवश्यकता और सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं स्वयं निभाता हूं,तो फिर उसे न मानने की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें यहां वहां हाथ फैलाने से बेहतर हैं की हम उस एक परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपनी हर समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए केवल उस एक सर्व शक्तिमान के सामने अपना माथा टेकें। सच्चे हृदय से यदि ईश्वर की प्रार्थना की जाएतो भक्तों की हर इच्छा व मनोरथ वह जरूर पूरी करते हैं।

बड़े ही विचित्र तरीके से हुआ था राधा का जन्म

पुराणों में वर्णित है कि एक बार गोलोक में किसी बात पर राधा और श्रीदामा नामक गोप में विवाद हो गया। श्रीराधा ने उस गोप को असुर योनि में जन्म लेने का श्राप दिया। तब उस गोप ने भी श्रीराधा को यह श्राप दिया कि आपको भी मानव योनि में जन्म लेना पड़ेगा। वहां गोकुल में श्रीहरि के ही अंश महायोगी रायाण नामक एक वैश्य होंगे। आपका छाया रूप उनके साथ रहेगा। भूतल पर लोग आपको रायाण की पत्नी ही समझेंगे, श्रीहरि के साथ कुछ समय आपका विछोह रहेगा। ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार जब भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार का समय आया तो उन्होंने राधा से कहा कि तुम जल्द ही वृषभानु के घर जन्म लो। श्रीकृष्ण के कहने पर ही राधा ब्रज में वृषभानु वैश्य की कन्या हुई। राधा देवी अयोनिजा यानी माता के गर्भ से उत्पन्न नहीं हुई थीं उनकी माता ने गर्भ में वायु को धारण कर रखा था। उन्होंने योगमाया की प्रेरणा से वायु को ही जन्म दिया परंतु वहां स्वेच्छा से श्रीराधा प्रकट हो गई।

तीर्थ यात्रा करते वक्त ध्यान रखनी चाहिए ये 5 बातें

तीर्थ दर्शन की परंपरा काफी पुराने समय से चली आ रही है। मान्यता है कि तीर्थ यात्रा से जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही, अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि आप भी किसी तीर्थ स्थान पर जाना चाहते हैं तो यहां जानिए 5 ऐसी बातें जो यात्रा में ध्यान रखना चाहिए

- तीर्थ क्षेत्र में जाने पर मनुष्य को स्नान, दान, जप आदि करना चाहिए। अन्यथा वह रोग एवं दोष का भागी होता है।
- अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति। तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति। इस श्लोक का अर्थ यह है कि किसी दूसरी जगह किया हुआ पाप तीर्थ में जाने से नष्ट हो जाता है, लेकिन तीर्थ में किया हुआ पाप कभी नष्ट नहीं हो पाता है। अत : तीर्थ क्षेत्र में कोई अधार्मिक कर्म नहीं करना चाहिए।
- जब कोई व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई, परिजन अथवा गुरु को पुण्य फल दिलवाने के उद्देश्य से तीर्थ में स्नान करता है, तब स्नान करने वाले व्यक्ति को पुण्य फल का बारहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति दूसरों के धन से तीर्थ यात्रा करता है, उसे पुण्य का सोलहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति किसी दूसरे कार्य से तीर्थ में जाता है तो व्यक्ति को तीर्थ जाने का आधा पुण्य फल प्राप्त होता है।

इस कारण स्त्रियां कभी नहीं फोड़ती है नारियल!

नारियल को श्रीफल के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है की जब भगवान विष्णु ने पृथ्वी पर अवतार लिया तो वे अपने साथ तीन चीजें- लक्ष्मी, नारियल का वृक्ष तथा कामधेनु लाए इसलिए नारियल के वृक्ष को श्रीफल भी कहा जाता है। श्री का अर्थ है लक्ष्मी अर्थात नारियल लक्ष्मी व विष्णु का फल। नारियल में त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। श्रीफल भगवान शिव का परम प्रिय फल है। मान्यता अनुसार नारियल में बनी तीन आंखों को त्रिनेत्र के रूप में देखा जाता है। श्रीफल खाने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। इष्ट को नारियल चढ़ाने से धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भारतीय पूजन पद्धति में नारियल अर्थात श्रीफल का महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी वैदिक या दैविक पूजन प्रणाली श्रीफल के बलिदान के बिना अधूरी मानी जाती है। यह भी एक तथ्य है कि महिलाएं नारियल नहीं फोड़तीं। श्रीफल बीज रूप है, इसलिए इसे उत्पादन अर्थात प्रजनन का कारक माना जाता है। श्रीफल को प्रजनन क्षमता से जोड़ा गया है। स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती हैं और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढ़ाने के बाद पुरुष ही इसे फोड़ते हैं। शनि की शांति हेतु नारियल के जल से शिवलिंग पर रुद्रभिषेक करने का शास्त्रीय विधान भी है। भारतीय वैदिक परंपरा अनुसार श्रीफल शुभ, समृद्धि, सम्मान, उन्नति और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। किसी को सम्मान देने के लिए उनी शॉल के साथ श्रीफल भी भेंट किया जाता है। भारतीय सामाजिक रीति-रिवाजों में भी शुभ शगुन के तौर पर श्रीफल भेंट करने की परंपरा युगों से चली आ रही है। विवाह की सुनिश्चित करने हेतु अर्थात तिलक के समय श्रीफल भेंट किया जाता है। बिदाई के समय नारियल व धनराशि भेंट की जाती है। यहां तक की अंतिम संस्कार के समय भी चिता के साथ नारियल जलाए जाते हैं। वैदिक अनुष्ठानों में कर्मकांड में सूखे नारियल को वेदी में होम किया जाता है।

श्रीफल कैलोरी से भरपूर होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसमें अनेक पोषक तत्व होते हैं। इसके कोमल तनों से जो रस निकलता है उसे नीरा कहते हैं उसे लज्जतदार पेय माना जाता है। सोते समय नारियल पानी पीने से नाड़ी संस्थान को बल मिलता है तथा नींद अच्छी आती है। इसके पानी में पोटेशियम और क्लोरीन होता है जो मां के दूध के समान होता है। जिन शिशुओं को दूध नहीं पचता उन्हें दूध के साथ नारियल पानी मिलाकर पिलाना चाहिए। डि-हाइड्रेशन होने पर नारियल पानी में नीबू मिलाकर पिया जाता है। इसकी गिरी खाने से कामशक्ति बढ़ती है। मिश्री संग खाने से गर्भवती स्त्री की शारीरिक दुर्बलता दूर होती है तथा बच्चा सुंदर होता है।

घर के नजदीक हो ये पेड़-पौधे

तो अवश्य करें पूजा होते हैं ढेरों लाभ

प्राचीनकाल से सनातन संस्कृति में पेड़-पौधों का पूजन होता आया है। ज्योतिष और वास्तु विद्वान भी मानते हैं की इनके पूजन करने से जीवन में आ रही बहुत सारी बाधाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। कुछ ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जिन्हें घर में अवश्य रोपित करना चाहिए। यदि आपके घर में स्थान न हो तो आसपास भी ये दिखें तो अवश्य इनका पूजन करें। इससे आपको ढेरों लाभ प्राप्त होंगे।

तुलसी

विष्णु प्रिया हर हिंदू घर में विराजित होनी चाहिए। यदि आपके घर में नहीं हैं तो आज ही ले आएं। सुबह-शाम इन्हें जल अर्पित कर दीपदान करना चाहिए। जिस घर में ऐसा होता है वहां कभी किसी चीज का अभाव नहीं रहता।

पीपल

इस पेड़ को घर में नहीं लगाना चाहिए और न ही इसकी छाया आपके आशियाने पर पड़नी चाहिए। घर से थोड़ी दूरी पर रोपित इस पेड़ का पूजन अवश्य करें। पीपल को जल से सींचने पर सभी पापों का जहां नाश हो जाता है वहीं पितर भी प्रसन्न होकर जीव पर कृपा करते हैं।

बिल्व

भगवान शिव के प्रिय बिल्व वृक्ष को काटने से वंश का अंश समाप्त हो जाता है और उसे लगाने से वंश में वृद्धि होती है। बिल्व पत्र के अभाव में शिव पूजा अधूरी रहती है। नौकरी में प्रमोशन पानी हो या दुख-दर्द से छुटकारा, करें इस पेड़ की पूजा।

केला

घर में केले का पेड़ ईशान कोण में लगाने से धन वृद्धि होती है। यदि इसके साथ तुलसी का पौधा भी रोपित कर दिया जाए तो घर-परिवार पर श्रीविष्णु-लक्ष्मी की कृपा सदा बनी रहती है।

बरगद

बरगद का पूजन करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

आंवला

प्रतिदिन इसका पूजन करने से जाने-अनजाने किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

शमी

घर में शमी का पेड़ लगाने से दैवीय कृपा बनी रहती है।

अशोक

ये पेड़ जीवन से हर शोक का नाश करता है। जो लोग प्रतिदिन अशोक के पेड़ पर जल अर्पित करते हैं उन पर दैविय कृपा बनी रहती है। उन्हें बीमारी, दुख, अशान्ति जैसी चिंताएं छू भी नहीं पाती।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1207.5 करोड़ रुपए में होगी युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की छोटी मरम्मत और इसे सूखे बंदरगाह पर लाने जैसी गतिविधियों के लिए रक्षा मंत्रालय ने एमएस कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ कुल 1207.5 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि मरम्मत का यह कार्य पूरा होने के बाद विक्रमादित्य उन्नत युद्धक क्षमताओं के साथ नौसेना के युद्धक बेड़े में शामिल हो जाएगा। मूलरूप से रूस ने इसका निर्माण किया है और इसे वर्ष 2013 में नौसेना के जंगी बेड़े में कमीशन किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि यह परियोजना कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को मरम्मत, रखरखाव और ओवरहाल (एमआरओ) के क्षेत्र में एक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। जो देश के औद्योगिक तंत्र को भी सहयोग करेगा। समझौते की मदद से देश में बड़े पैमाने पर नए रोजगारों का सृजन होगा। क्योंकि विक्रमादित्य की मरम्मत और सूखे बंदरगाह पर आने की गतिविधि में कुल करीब 50 सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) शामिल होंगे। जिससे साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। परियोजना से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियान को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़–तेलंगाना बॉर्डर पर मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर, हथियार बरामद

–इसी हफ्ते बस्तर दौरे पर आने वाले हैं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री अमित शाह का दौरा होने वाला है। इस कुछ दिन पहले ही जवानों ने एक मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बता दें गृहमंत्री अमित शाह में नक्सली मुक्त राज्य की बात करते रहे हैं। छत्तीसगढ़–तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत सात नक्सलियों को ढेर कर दिया है। जवानों ने मौके से एके–47 समेत अन्य आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों और से गोलीबारी हो रही थी। यह मुठभेड़ तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन साजिश का पता चलते ही जवानों को मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इस हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है। इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के दो मेंबर शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव अपने कब्जे में ले लिए हैं। प्रदेश में इस साल 207 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

शिर्डी के साईबाबा के लड्डू प्रसाद से करोड़ों का कारोबार

शिर्डी। शिर्डी के साईबाबा के दर्शन के बाद भक्तों को लड्डू का प्रसाद नि:शुल्क मिलता है, लेकिन अधिक लड्डू के लिए संस्थान ने अब आठ सशुल्क काउंटर शुरू किए हैं और वहां से करोड़ों का कारोबार हो रहा है। मालूम हो कि श्री साईं बाबा के दर्शन के लिए करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। बाबा की समाधि के दर्शन के बाद भक्तों को नि:शुल्क लड्डू दी जाती है। लेकिन मुफ़्त प्रसाद सीमित है। यदि आप अधिक प्रसाद चाहते हैं तो आपको शुल्क

देना होगा। 100 ग्राम वजन के प्रसाद के लड्डू गुणवत्तापूर्ण शुद्ध घी, बेसन, काजू, किशमिश और इलायची से तैयार किए जाते हैं। यह प्रसाद 10 रुपये शुल्क लेकर भक्तों को दिया जाता है। आठ पेड काउंटरों से प्रतिदिन 50 हजार लड्डू पैकेट की बिक्री हो रही है। इसके अलावा भक्त जितने भी लड्डू मांगते हैं, काउंटर से ये प्रसाद दिया जाता है। प्रसाद के लड्डुओं की बिक्री से प्रति माह 15 लाख और प्रति वर्ष दो करोड़ से अधिक का टर्नओवर होता है। शिरडी आने वाले साईं भक्तों के लिए संस्थान की ओर से आवास, भोजन के साथ–साथ स्वास्थ्य और चाय की भी व्यवस्था की जाती है। साईं आश्रम, धर्मशाला, द्वावारती, एक हजार और 500 कमरों से साईं समाधि मंदिर और भोजनालय तक बस सुविधा भी प्रदान की जाती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर सहित लगभग 4000 कर्मचारी लगातार 24 घंटे भक्तों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

तेलंगाना में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

– जंगल में मुठभेड़ के दौरान मारे गए 7 नक्सली

हैदराबाद । तेलंगाना के मुलुगु जिले के जंगलों में रविवार को पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें सात माओवादी मारे गए हैं। यह घटना इलाके के जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान हुई। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर जांच–पड़ताल की जा रही है। तेलंगाना पुलिस की विशेष एंटी–नक्सल फोर्स ग्रेहाउंड्स ने जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान पुलिस का सामना सशस्त्र माओवादियों से हो गया। पुलिस के अनुसार, माओवादियों ने फोर्स पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस दौरान हुई गोलीबारी में सात माओवादी मारे गए। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों में तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंडु–नरसंपेट) के सचिव और प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के नेता कुर्सम मंगू उर्फ भद्रू भी शामिल हैं। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से दो एके–47 राइफल सहित कई हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि माओवादी समूह राज्य में हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर इनकी लोकेशन का पता चला था, जिसके बाद यह अभियान चलाया गया।

कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।

शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है।'' पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न?

उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर

कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है।'' शर्मा ने सवाल किया, ''मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है?'' शर्मा ने कहा, ''मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हुसैन के बयान की पृष्ठभूमि में गोमांस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का रुख जानने के लिए उन्हें पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं भूपेन बोरा को पत्र लिखकर पूछूंगा कि क्या वह भी रकीबुल हुसैन की तरह गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे बता दें। मैं गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दूंगा।÷ शर्मा ने कहा, ''मुझे खुशी है कि रकीबुल हुसैन ने यह बयान दिया है, क्योंकि कम से कम एक कदम तो उठाया गया है। अब दूसरा कदम भूपेन बोरा को उठाना चाहिए।'' असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, लेकिन असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिखों की बहुसंख्या वाले क्षेत्रों तथा किसी मंदिर या सत्र (वैष्णव मठ) के पांच किलोमीटर के दायरे में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध है।

पाकिस्तान से घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने जम्मू में दो और बटालियन तैनात कीं

नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ को बेहतर ढंग से रोकने और क्षेत्र में हाल में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नयी बटालियन तैनात की हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन बटालियन के जवानों को पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की तैनाती वाले स्थान के ठीक पीछे ''रक्षा की दूसरी पंक्ति'' के रूप में तैनात किया गया है। बल की इन दो बटालियन को हाल में ओडिशा के नक्सल–रोधी अभियान क्षेत्र से हटा लिया गया था और अब इन्हें पूरी तरह से जम्मू क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्य सर्दियों के शुरू होने से पहले पूरा किया जाना था, जब पाकिस्तान से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सूत्रों ने बताया कि नयी इकाइयों के कर्मियों को सांबा क्षेत्र, जम्मू क्षेत्र के कुछ अन्य संवेदनशील इलाकों और जम्मू से लगती पंजाब सीमा पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस अनेक तैनाती बिंदु बनाए गए हैं। बीएसएफ भारत के पश्चिमी भाग में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरने वाली 2,289 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है। जम्मू क्षेत्र में इस सीमा का 485 किलोमीटर हिस्सा है, जो घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में लगभग एक दर्जन बीएसएफ बटालियन तैनात हैं।

कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पर लगाए गंभीर आरोप, कहा मस्जिद-मंदिर विवादों को जस्टिस चंद्रचूड़ ने दिया बढ़ावा

इंफाल (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व सीजेआई के रिटायर होने के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं ने उनपर हमला बोला है। शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत का कहना है कि चाहे अजमेर हो या उत्तर प्रदेश का संभल, सीजेआई चंद्रचूड़ देश में आग लगाने के बाद रिटायर हुए हैं। आज देश की जो हालत है उसके लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। जस्टिस चंद्रचूड़ को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि 20 मई 2022 को चंद्रचूड़ साहब ने मौखिक टिप्पणी की और उससे भानुमती का पिटारा, पैंडोरा बॉक्स खुल गया। भाजपा इसका पूरा राजनीतिक फायदा उठा रही है। हर जगह सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

संजय राउत ने मुंबई में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जहां उन्होंने पूर्व सीजेआई को न सिर्फ मंदिर-मस्जिद विवाद के लिए जिम्मेदार बताया, बल्कि महाराष्ट्र में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के लिए भी आरोपी बताया। राउत ने कहा- सरकार बनाने के लिए अभी तक राज्यपाल से कोई नहीं मिला है। इन सबके लिए जस्टिस चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं उधर, जयराम रमेश ने भी कहा- 20 मई 2022 को पूर्व सीजेआई की टिप्पणी ने इस तरह की याचिकाओं का रास्ता साफ किया है। उन्होंने कहा था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट किसी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। दरअसल, यह एक्ट प्राचीन धार्मिक स्थल के स्वरूप को बदलने पर रोक लगाता है। प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के मुताबिक- पूजा स्थल उसी रूप में संरक्षित किया जाएगा, जिस रूप में वह 15 अगस्त 1947 को था। अगर यह साबित भी हो जाता है कि उसे किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल को तोडक़र बनाया गया है, तब भी उसके स्वरूप को बदला नहीं जा सकता।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का विपक्ष पर तंज, 'देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला'

इंदौर (मध्यप्रदेश) (एजेंसी)। । केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का 'विपक्ष का दर्जा' अब तक नहीं बदला। नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे

भी ऐसे ही रहोगे।'

नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'यह किसी को दिखाई दे जाए कि देश कैसे बदलता है, तो बहुत अच्छी बात है। मैं कई बार बोलता हूं कि मैं आपकी देखने की क्षमता में सुधार तो कर सकता हूं पर आपको नजरिया नहीं दे सकता। अब किसी में नजरिया ही ना हो, तो मैं क्या करूं? नड्डा ने यह भी कहा कि नजरिये के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, ''भारत में टिटनेस की दवा आने में 40 वर्ष, टीबी की दवा आने में 20 से 25 वर्ष, डिप्थीरिया की दवा आने में 20 वर्ष और जापानी इन्सेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) की दवा आने में 100 साल लग गए थे।

पोप फ्रांसिस ने संत श्री नारायण गुरु की सराहना की, उनका संदेश आज प्रासंगिक

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। दुनिया के शीर्ष ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने भारत के संत श्री नारायण गुरु की सराहना कर उनके संदेश को पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक बताया है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नारायण गुरु का समाज सुधारक का संदेश 'आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता और नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के मौके पर वेटिकन में जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित कर पोप ने यह बात कही। पोप ने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है उसके लिए धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना भी जिम्मेदार है। पोप ने कहा कि गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा, 'उन्होंने इस पर जोर दिया कि किसी भी तरह से और किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव झेलना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके से जुड़े हैं। पोप ने कहा, 'धर्मों की महान शिक्षाओं को नहीं अपनाना दुनिया में अशांति के लिए जिम्मेदार कारणों में से एक है।' नारायण गुरु को भारत के उन महान संतों में शुमार किया जाता है, जिन्होंने समानता का संदेश दिया। 22 अगस्त, 1956 को केरल के तिरुअनंतपुरम के पास एक गांव चेमपजंथी में मदन असन और कुट्टियम्मा के घर हुआ था। उनका परिवार एझावा जाति से संबंध रखता था और उस समय के सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इस अवर्ण' माना जाता था। छोटी उम्र से ही उनका आकर्षण तप की ओर था जिसके चलते वे संन्यासी के रूप में आठ वर्षों तक जंगल में रहे थे। उन्हें वेद, उपनिषद, साहित्य, हठ योग और अन्य दर्शनों का ज्ञान था। उन्होंने समानता का संदेश देकर एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर (ओरु जति, ओरु माथम, ओरु दैवम, मानुष्यानु) का प्रसिद्ध नारा दिया। उन्होंने वर्ष 1888 में अरुविप्पुरम में भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर बनाया, जो तब के जाति-आधारित प्रतिबंधों के खिलाफ था। उन्होंने एक मंदिर कलावन्कोड में अभिषेक किया और मंदिरों में मूर्तियों की जगह दर्पण रखा। यह उनके इस संदेश का प्रतीक था कि परमात्मा प्रत्येक व्यक्ति के भीतर है।

अजमेर दरगाहा विवाद : पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी का पीएम मोदी को खत, ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें

अजमेर (एजेंसी)। अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका को लेकर देशभर में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच मामले में पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा गया कि भारत की एकता और अखंडता पर हमला करने वाली ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी ने अपने पत्र में जिक्र कर पीएम नरेंद्र मोदी को याद दिलाया कि उर्स के मौके पर उन्होंने भी अजमेर शरीफ में चादर पेश की थी।

पत्र लिखने वालों में दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर नजीब जंग, यूनाइटेड किंगडम में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीर गुप्ता सहित कई पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स शामिल है।

उन्होंने पत्र में कहा कि कुछ अज्ञात लोग हिंदू हितों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। इस दावे के साथ ये लोग मध्ययुगकालीन मस्जिदों और दरगाहों का सर्वे कराने की बात कहते हैं। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने स्पष्ट किया कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के बाद भी अदालतें ऐसी याचिकाओं को आगे की सुनवाई का अधिकार दे देती हैं।

पत्र में कहा कि यह सोच से परे है कि कोर्ट ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की 12वीं सदी की दरगाह पर सर्वे का आदेश कैसे दे दिया। यह स्थल केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी भारतीयों के लिए पवित्र माना जाता है। यह सोच हास्यास्पद है कि एक सूफी संत, फकीर, जो भक्ति आंदोलन का अंग रहा, वह कैसे एक मंदिर को तोड़कर दरगाह बनवा सकता है। इस पत्र में लिखा गया है कि काफी समय से यह देखने को मिल रहा है कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के बीच टकराव की स्थिति बना रही है। यही नहीं ऐसा ही इस समुदाय के भी हो रहा है। इससे अल्पसंख्यक समुदाय में चिंता और असुरक्षा का भाव पैदा हुआ है। इस तरह के विवादों से देश तरक्की नहीं कर कता और न ही आपके (पीएम मोदी) विकसित भारत के सपने को पूरा हो सकेगा।

पत्र में विभाजन के समय हुए दंगों और पिछले दशकों में हुए विवाद के बारे में याद दिलाकर कहा गया कि इससे आज भी देश में सांप्रदायिक संबंध मधुर नहीं हो सके हैं। पिछले 10 सालों जिस तरह के घटनाएं हुई, वे जैसी थी उस तरह दिखाई नहीं गई। इसतरह के मामलों में राज्य सरकारों की पक्षपात की नीतियां देखने को मिली हैं। ऐसा, पहले कभी अनुभव नहीं किया गया था। पत्र में जिक्र किया गया हैं कि यह गौमांस ले जा रहे मुस्लिमों को पीटने और धमकाने से शुरू हुआ था। जो धीरे-धीरे निर्दोष लोगों को भीड़ द्वारा घर में घुसकर मार देने में बदल गई। इसमें कई नरसंहार हुए और इस्लामोफोबिया के तौर पर इस परिभाषित कर भाषणों में उपयोग लिया गया। राज्यों के मुखिया (मुख्यमंत्रियों) के इशारे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सामान ना लेने, मकान किराए पर न देने जैसा आह्वान किया गया।

महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल, भाजपा पर साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार के गठन में हो रही देरी की आलोचना की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह महाराष्ट्र का अपमान है। आदित्य ने रविवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने महायुति सरकार पर निशाना साधा और राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगाए जाने पर सवाल उठाया।

आदित्य ने लिखा, 'परिणाम आने के एक सप्ताह से अधिक समय तक मुख्यमंत्री का चयन न कर पाना और सरकार न बना पाना न केवल महाराष्ट्र का अपमान है (हमारे राज्य को इतने हल्के में लेने के लिए) बल्कि उनके सबसे प्रिय चुनाव आयोग द्वारा दी गई सहायता का भी।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नियम केवल विपक्षी दलों पर लागू होते हैं, जबकि कुछ विशेष दलों पर नियम लागू नहीं होते।

महायुति के सबसे बड़े घटक भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने लिखा, 'बिना सरकार बनाने का दावा किए और माननीय राज्यपाल को संख्याबल दिखाए बिना, एकतरफा शपथ ग्रहण की तिथि घोषित करना पूरी तरह अराजकता है। और इस सब के बीच, कार्यवाहक मुख्यमंत्री चंद्रमा की कला के अनुसार एक छोटी छुट्टी पर हैं, जैसा कि हमने पहले भी नियमित रूप से देखा है।'

आदित्य ने आगे लिखा, 'इस बीच, महाराष्ट्र उन लोगों के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है जो सरकार बना सकते हैं। वे अपनी दिल्ली यात्राओं का आनंद ले रहे हैं। राष्ट्रपति शासन? क्या यह अब तक लागू नहीं हो जाना चाहिए था? क्या ऐसा नहीं होता, अगर विपक्ष के पास संख्याबल होता और निर्णय लंबित होता?'

माह बदलते ही मौसम भी बदला, दिल्ली में कोहरा तो यूपी में चलेगी शीत लहर

मौसम विभाग ने कहा– 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड, चलेंगी सर्द हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर माह शुरु हो गया है लेकिन अभी कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। आईएमडी के मुताबिक रविवार को दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। दिल्ली में भी अभी एक सप्ताह तक पारा लुढ़कने के आसार नहीं हैं। पहाड़ों पर मौसम कूल हो गया है। कुछ पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी से निचले इलाकों में ठंड का अहसास होने लगा है।

दिसंबर की शुरुआत के साथ ही मौसम भी करवट बदलनी शुरू कर दी है। दिल्ली में मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक स्मॉग और फॉग दोनों ही देखने को मिलेगा। ठंड उतनी नहीं पड़ेगी लेकिन सर्दी महसूस होगी। रविवार को सुबह स्मॉग और हल्का कोहरा छाया रहा। शाम और रात के समय स्मॉग के साथ हल्का कोहरा छा सकता है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने यूपी में भीषण ठंड पड़ने की चेतावनी दी है। विभाग के मुताबिक 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू हो सकती है और पूरे प्रदेश में ठंड के साथ सर्द हवाएं चलने लगेंगी। इस साल दिसंबर में सामान्य से ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से तीन दिनों तक लाहौल और स्पीति, चंबा, किन्नौर, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं जम्मू कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। उसके बाद कुछ दिन मौसम शुष्क बना रहेगा फिर सात दिसंबर के बाद ऊंचे इलाकों में फिर से बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी- बांग्लादेश के बीच करोड़ों की डील, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश और जर्मनी के बीच 180 मिलियन यूरो (190.8 डॉलर) से अधिक के दो वित्तीय और तकनीकी समझौते हुए हैं। जिसका लक्ष्य विकास कार्यों में सहयोग करना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव मोहम्मद शहरियार कादर सिद्दीकी और बांग्लादेश में जर्मनी के राजदूत अचिम ट्रॉस्टर ने अपने-अपने पक्षों की ओर से समझौतों पर हस्ताक्षर किए। कुल राशि में से 45.8 मिलियन यूरो का उपयोग तकनीकी सहयोग के लिए तथा 135 मिलियन यूरो का उपयोग वित्तीय मामलों में सहयोग के लिए किया जाएगा। समझौते के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, सतत शहरी विकास, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, सामाजिक और पर्यावरणीय आपूर्ति श्रृंखला, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू हिंसा से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मिल कर काम किया जाएगा।

उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे लगभग 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे : जेसीएस

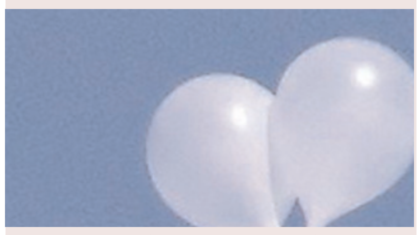

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टियां, बनाए गए नौकरी जैसे नियम

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम ऐसा पहला देश है जिसने सेक्स वर्कर्स को भी सामान्य नौकरी पेशा लोगों की तरह सुविधाएं देने के लिए कानून बना दिया है। बेल्जियम के नए कानून के तहत सेक्स वर्कर्स भी अनुबंध के तहत कार्य करेंगी जिसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, सिक लीव और मैटरनिटी लीव जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यानी इसे नौकरी की तरह मान्यता दी जाएगी। 2022 में ही बेल्जियम ने इस पेशे को क्राइम कैटिगरी से बाहर कर दिया था। बेल्जियम के अलावा पेरू और तुर्की में भी इस पेशे को वैध करार दिया गया है। इससे पहले बार, इरोटिक मसाज पार्लर और अन्य जगहों पर अवैध तरीके से ही सेक्स वर्कर्स को काम करना पड़ता था। इसके बदले उन्हें कैश में रुपये मिलते थे। यह शोषण का एक खुला हुआ दरवाजा था। इस नए कानून में कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स की भर्ती करते वक्त उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को सम्मान दिलवाना भी रिक्रूटर की जिम्मेदारी है। कई संगठनों ने इस नए कानून की आलोचना भी की है। उनका कहना है कि इस तरह से वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग भी तेज हो जाएगी। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि यह समाज की सच्चाई है कि यहां सेक्स वर्कर होते हैं। यह खुला हो या फिर छिपा हुआ। ऐसे में सेक्स वर्कर्स को भी सम्मान और सुरक्षा का जीवन जीने का अधिकार है। सेक्स वर्कर्स का मानना है कि कई बार उन्हें इच्छा के खिलाफ भी शोषण का शिकार होना पड़ता है। अगर कानून उनके पक्ष में हो तो वे आसानी से विरोध कर सकती हैं। इसके अलावा अगर काम देने वाला शख्स भी बुरा बर्ताव करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि कोरोना महामारी के वक्त काम की कमी की वजह से सेक्स वर्कर्स सड़कों पर उतर चुके थे। इसके बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए और सरकार ने इसे वैध घोषित कर दिया।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा: 250 की मौत

अलेप्पो में एयरपोर्ट-अस्पताल बंद ; सरकार की मदद के लिए पहुंची रूसी सेना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। ॥ञ्जस् ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

रूस ने सहायता भेजी, ईरान भी कर सकता मदद : रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति असद के 3 सबसे बड़े सहयोगी ईरान, हिजबुल्लाह और रूस घरेलू मामले में उलझे हैं। रूस, यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, वहीं, ईरान और हिजबुल्लाह का इजराइल के साथ विवाद चल रहा है। इन तीनों ने असद सरकार को गृह युद्ध से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। सीरिया, ईरान के लिए जरूरी है, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास तक हथियार पहुंचाने के लिए ईरान, सीरिया का इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्द ही ईरान, सीरिया को हथियार मुहैया करा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान समर्थक इराकी मिलिशिया सीरिया जा सकते हैं। इन मिलिशिया में कताइब हिजबुल्लाह, असाइब अहल अल हक, हरकत अल नुजबाह शामिल हैं। सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस् ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

सीरिया के गृहयुद्ध में तबाह हो गया अलेप्पो शहर : 1986 में यूनेस्को से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था। सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गईं।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन के लिए सड़कों पर कट्टरपंथी: जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। इन रैलियों में कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम, खिलाफत मजलिस और इस्लामिक आंदोलन सहित कई धार्मिक-आधारित संगठनों और राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। हिफाजत ने कहा कि देश की पराजित ताकतें हिंदुओं का इस्तेमाल अराजकता फैलाने के लिए कर रही हैं। पिछले मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में जिस तरह से वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या की गई, वह गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश थी। वहीं, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए इस्कॉन ने कोलकाता में विरोध कीर्तन आयोजित किया। इस्कॉन ने घोषणा की है कि रविवार को दुनिया भर के सभी इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बांग्लादेश में हिंदू भक्तों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। मौजूदा सरकार को मुश्किल में डालने की कोशिश में एक स्थानीय और विदेशी समूह बहुत सक्रिय है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी आंतरिक सद्भावना और शांति व्यवस्था किसी भी तरह से नष्ट न हो। खालिद हुसैन ने ये भी कहा कि वकील की हत्या में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चटगांव में 26 नवंबर को चिन्मय प्रभु के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। मारे गए वकील का नाम सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ (35) था।

वेटिकन में विश्व धर्म संसद की शुरुआत, सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि होते हैं सम्मिलित

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन में शिवगिरि मठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरधार्मिक सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 100 साल पहले अलुवा में श्री नारायणगुरु की ओर से आयोजित अंतरधार्मिक सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहा है. सर्वधर्म सम्मेलन एवं विश्व धर्म संसद आज शाम 7 बजे स्नेह संगम के साथ प्रारंभ हुई. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भावना फैलाना है. विश्व धर्म संसद 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. पोप फ्रांसिस कल (30 नवंबर) महासभा में एक उपदेश देंगे. सम्मेलन में विभिन्न देशों के 100 प्रतिनिधि, भारत के जन प्रतिनिधि और भिक्षु भाग लेंगे. सच्चिदानंद स्वामी, मठ के महासचिव स्वामी सुभंगानंद, पूर्व महासचिव स्वामी ऋतंबरानंद, पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी विशालानंद, गुरु धर्म प्रचार सभा के सचिव स्वामी असंगानंदगिरि, स्वामी हंसतीर्थ, अलुवा अद्वैत आश्रम के सचिव स्वामी धर्मचैतन्य और स्वामिनी आर्यानंद देवी शिवगिरि मठ के सदस्य हैं. सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करना और भाग लेना. सच्चिदानंद स्वामी की ओर से तैयार की गई पुस्तक सर्वमाता सम्मेलनम का इतालवी अनुवाद और गुरु एंड वर्ल्ड पीस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया जाएगा।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास समेत इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खाते फ्रीज

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और जेल में डाले जाने पर दुनिया भर के हिंदुओं से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने कथित तौर पर देश के बैंकों को बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

ढाका में स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस्कॉन बांग्लादेश से जुड़े 17 व्यक्तियों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसमें जेल में बंद इसके नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी भी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि देश के कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों को खातों से एक महीने के लिए सभी लेन-देन को निलंबित करने का सरकारी निर्देश भेजा गया है। दास को सोमवार को ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था और एक दिन बाद जेल भेज दिया गया था। दास के अलावा बांग्लादेश सरकार द्वारा निशाना बनाए गए अन्य 16 हिंदुओं में कार्तिक चंद्र डे, अनिक पाल, सरोज रॉय, सुशांत दास, विश्व कुमार सिंघा, चंदिदास बाला, जयदेव करमाकर, लिपि रानी करमाकर, सुधामा गौर दास, लक्ष्मण कांति दास, प्रियतोष दास, रूपन

दास, रूपन कुमार धर, आशीष पुरोहित, जगदीश चंद्र अधिकारी और साजल दास शामिल हैं। बांग्लादेश के एक प्रमुख बंगाली अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफआईयू के पत्र में कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम-2012 की धारा 23(1)(सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस्कॉन और उसके संबंधित पक्षों तथा उनके स्वामित्व वाली संस्थाओं के नाम पर रखे गए खातों (आयात और निर्यात कंपनियों के खातों को छोड़कर) के लेनदेन को 30 दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, बीएफआईयू ने सभी खातों की लेखा संबंधी जानकारी, जैसे खाता खोलने का फॉर्म, केवाईसी फॉर्म, अप-टू-डेट लेन-देन विवरण आदि, अगले तीन कार्य दिनों के अंदर भेजने को कहा है।

सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास पर पिछले महीने चटगांव में भगवा झंडा फहराने के लिए देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। देश में बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने के बाद दास को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इसी समय, न्यायालय भवन में हिंसा भड़क उठी, जिसके कारण 32 वर्षीय अधिवक्ता सैफुल इस्लाम अलिफ की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश में कट्टरपंथी अब दास के समर्थकों को अधिवक्ता की मृत्यु के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि इस्कॉन और अन्य हिंदू संगठनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय परिसर में उस दिन हुए उपद्रव में कोई हिंदू शामिल नहीं था।

चीनी पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा

जापानी राजदूत से मिलते समय हिरासत में लिए गए थे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी पत्रकार डोंग युयु चीन की सरकारी मीडिया में भी काम कर चुके थे। डोंग के परिजनों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग युयु 62 साल के हैं और उन्हें दो साल पहले साल 2022 में फरवरी माह में जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था, तब से वह जेल में ही हैं। जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था उस समय वह गुआंगमिंग डेली में काम करते थे। एक रेस्तरां में जापानी राजनयिक से मिलते वक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि वे उस रेस्तरा में अक्सर अपने विदेशी मित्रों से मिलते रहते थे। पत्रकार के परिजनों ने बताया कि बीजिंग नंबर 2 इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने जब यह फैसला सुनाया उस वक्त सभी को अदालत से बाहर कर दिया गया था। इतना ही नहीं फैसले की प्रति भी न तो उन्हें और न ही डोंग के वकील को साझा की गई। इसके अलावा, अदालत की वेबसाइट पर भी फैसले को नहीं शेयर किया गया है। डोंग के परिवारीजनों ने यह भी बताया कि फैसले में

तत्कालीन जापानी राजदूत हिदेओ तारुमी और शंघाई स्थित मुख्य राजनयिक मासारू ओकाडा को जासूसी संगठन से संबंधित एजेंट बताया गया है।

कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध लेख लिखते रहे हैं डोंग युयु : बता दें कि डोंग गुआंगमिंग डेली के संपादकीय विभाग के काम करते थे। इस अखबार को एक समय में अन्य सरकार समर्थित अखबारों की तुलना में अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के चीनी संस्करण में भी काम किया था। अपने लेखों में डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र और राजनीतिक सुधार के लिए अपना समर्थन जताया था। हालांकि बाद में इन लेखों को कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध माना गया। वहीं, चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने डोंग की सज़ा की निंदा की। उन्होंने कहा कि डोंग को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए दंडित करना अन्यायपूर्ण है।

वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर रोक लगाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने एक निर्णय में कहा कि वजन कम करने वाली दवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए वह इनके रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के अनुसार वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाने का यह निर्णय सोमवार से प्रभावी होगा, जिसमें दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। डेनमार्क स्थित नोवो नॉर्डिस्क द्वारा विकसित की गई वेगोवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह कदम ऐसी दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार 2025 की पहली छमाही के भीतर ऐसी दवाओं के संबंध में टेलीमेडिसिन परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की भी योजना बना रही है। दक्षिण कोरिया ने सामान्य अस्पतालों में प्रशिक्षु डॉक्टरों की चल रही हड़ताल के बीच अस्थायी रूप से टेलीमेडिसिन परामर्श की अनुमति दी है। यह हड़ताल फरवरी से शुरू हुई थी। वेगोवी को दक्षिण कोरिया में 15 नवंबर को लॉन्च किया गया था। यह एक वजन घटाने वाली दवा है, जो मोटापे का इलाज कर सकती है और इसने चमत्कारी वजन घटाने वाली दवा के रूप में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। स्वास्थ्य

मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा संस्थानों को इस दवा को इस तरह से बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जिससे मरीजों को यह विश्वास हो जाए कि इसे सामान्य वजन घटाने के लिए आसानी से दिया जा सकता है, तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवा लिखते समय दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौजूदा नियमों के अनुसार, वेगोवी को केवल 30 या उससे ज्यादा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को ही दिया जाना चाहिए। 27 से 30 के बीच बीएमआई वाले वयस्क जिन्हें उच्च रक्तचाप या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं हैं, उन्हें भी यह दवा दी जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की स्वीकृति शर्तों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया है।

चीन के हुनान प्रांत में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत 83 अरब डॉलर

हुनान , एजेंसी। चीन के हुनान प्रांत में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार खोजा गया है। इस भंडार का आकार करीब 1,000 मीट्रिक टन है और इसकी अनुमानित कीमत 83 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह खदान दक्षिण अफ्रीका की साउथ डीप खदान से भी बड़ी है, जहां 900 मीट्रिक टन स्वर्ण अयस्क है।

पिंगजियांग काउंटी में खजाना : यह भंडार हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में पाया गया है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, वहां दो किलोमीटर की गहराई पर 40 स्वर्ण शिराओं का पता चला है। इन शिराओं में स्वर्ण अयस्क जमा है और कई ड्रिलिंग के बाद चट्टानों के कोर में सोना पाया गया। 3डी मॉडलिंग से यह भी पता चला है कि खदान की गहराई में 3 किमी तक और स्वर्ण अयस्क हो सकते हैं।

स्वर्ण अयस्क से सोने की संभावना : हर मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना निकाला जा सकता है। इससे चीन के सोने के कारोबार को बड़े फायदे की उम्मीद है। यह खोज चीन को वैश्विक स्वर्ण कारोबार में और मजबूत कर सकती है।

सोने के कारोबार में चीन की बढ़ती ताकत : चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, चीन दुनिया के कुल स्वर्ण उत्पादन का 10त्न करता है। इस साल की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास 2,000 टन से ज्यादा सोना है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार वाले देशों में शामिल करता है।

इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

स्वर्ण अयस्क बनने की प्रक्रिया : स्वर्ण अयस्क कई भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के तहत बनता है, जो लाखों सालों में पूरी होती है। इसमें गर्म और खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की अंदरूनी दरारों में घूमते रहते हैं। इन तरल पदार्थों में आसपास की चट्टानों का सोना घुलता है, जब तापमान में बदलाव होता है, तो ये तरल पदार्थ जम जाते हैं और इनकी सतह पर स्वर्ण अयस्क जमा हो जाता है।

चीन की स्वर्ण शक्ति : इस खोज से चीन को न केवल सोने के भंडार में वृद्धि होगी, बल्कि इसकी आर्थिक ताकत भी और बढ़ेगी, जिससे वैश्विक बाजार में चीन का दबदबा और मजबूत होगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत बुलाकर मुंबई के एक युवक ने उसके साथ बलात्कार किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

छत्तीसगढ़ की एक विवाहित महिला ने आरोप लगाया है कि उसे सुरत बुलाकर मुंबई के एक युवक ने उसके साथ बलात्कार किया। महिला ने कहा कि पहले भी आरोपी ने नागपुर में उसके साथ गलत काम किया था और अब उसे सुरत बुलाकर दुबारा बलात्कार किया। महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ की एक विवाहित महिला ने आरोप लगाया है कि मुंबई के एक युवक ने उसे सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क किया और सुरत बुलाकर उसके साथ बलात्कार किया। इस बारे में महिला ने छत्तीसगढ़ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय महिला और 45 वर्षीय आरोपी अहमद जावेद शाह, जो महाराष्ट्र के जलगांव का निवासी है, जुलाई 2023 से सोशल मीडिया पर संपर्क में थे। 8 जुलाई 2023 को अहमद ने महिला को सुरत रेलवे स्टेशन बुलाया, जहां दोनों मिले और दिल्लीगेट के एक गेस्टहाउस में रुके। वहां अहमद ने महिला के साथ बलात्कार किया। इसके बाद, 28 जून 2024 को आरोपी ने महिला को फिर से सुरत बुलाया और इस बार उसे अपने दोस्त अल्ताफ के घर ले गया, जहां उसने फिर से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

महिला ने पहले नागपुर में भी आरोपी के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया था, और अंत में उसने अपने पति को यह सब बताया। अब आरोपी अहमद शाह फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

विशाल श्री श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सिटी-लाइट स्थित देवप्रयाग परिवार द्वारा विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन रविवार को किया गया। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सिटी-लाइट स्थित देवप्रयाग अपार्टमेंट में सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सवा छ॰ बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके पश्चात विशाल भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार पवन मुरारका एवं राकेश अग्रवाल ने भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पुष्प-वर्षा, इत्र-फुहार, छप्पन भोग, महाप्रसाद आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। देर रात तक चले आयोजन में सैंकड़ों भक्त उपस्थित रहें।

भावी प्रकल्पों की ट्रस्टियों की मिटिंग में दी जानकारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टियों की मिटिंग का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे से वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के लखदातार हॉल में किया गया। मिटिंग की शुरुआत बाबा श्याम के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सबसे पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने स्वागत भाषण देते हुए सभी का स्वागत किया। इसके पश्चात ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने 16 दिसंबर से होने वाली भागवत कथा, भजन संध्या, कार्यक्रम के यजमानों के बारे में जानकारी दी।

मीटिंग में ट्रस्ट के पूर्व सचिव सुशील गाड़ोदिया द्वारा नई भूमि पर होने वाले भावी प्रकल्प की जानकारी एलईड स्क्रीन पर दी। ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश तोदी द्वारा सभी का आभार करते हुए नए भवन के निर्माण में सहयोग देने की अपील की गई।

मिटिंग में भगवत भागवत कथा के मुख्य यजमान अंचला बनवारीलाल मुरारका एवं अन्य यजमानों द्वारा निमंत्रण कार्ड का विमोचन किया गया। मीटिंग में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला सहित अनेकों ट्रस्टी उपस्थित रहें।

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में
&
भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

9879141480

fight against corruption india

krantisamay@gmail.com